

By:-

Dr. Shafiq Khan  
Dept. of Economics  
Raja Bansi College Bikaner.

व्यय तथा निवेश समानता  
(Saving & Investment equality)

जाने जाने लगता है। अर्थशास्त्र यह मानता है कि व्यय तथा निवेश में समानता पाई जाती है परन्तु आलोचकों ने इस बात पर यह मत व्यक्त है कि समाज में निरक्षरता और अज्ञान के कारण यह बात पर आधारित है। इसके समाधान के लिए हम कुछ अर्थशास्त्रियों का पहले कुछ विचार जानने का प्रयास करते हैं। व्यय तथा निवेश के संबंध में मुख्य अर्थशास्त्रियों ने अपने-अपने विचार-धाराओं का उल्लेख किया है।

(1) व्यय तथा निवेश के बीच सर्वोच्च अथवा परिष्कृत समानता (Accounting or identity equality) जिसे राष्ट्रीय आय लेखांकन के लिए काम में लाया जाता है। यह हमें बताता है कि सब समर्थों में और आय के किसी भी स्तर पर वास्तविक व्यय तथा निवेश के बीच हमेशा समानता होती है।

(2) फलदायक समानता (Functional equality) इस संबंध में व्यय तथा निवेश केवल आय के संतुलन स्तर पर समान होते हैं। दूसरे शब्दों में, फलदायक दृष्टि से व्यय तथा निवेश बराबर ही नहीं बल्कि संतुलन में भी होते हैं।

केस ने अपनी पुस्तक "General theory" में लिखा

है "व्यय तथा निवेश, समस्त समुदाय के लिए, मात्रा में अनिवार्यतः समान होते हैं क्योंकि वे एक ही चीज के विभिन्न पक्ष हैं। इसे स्पष्ट करने के लिए उन्होंने व्यय और निवेश की परिभाषा ऐसे ढंग से दी है कि उनकी समानता हो जाए। चालू अवधि में व्यय और

(2)

निवेश को चालू आय से, चालू उपभोग के आधिन (Surplus) के रूप में परिभाषित किया है। ताकि वे आधिवायतः समान रहे।

सुष्ठु के रूप में

$$S_1 = Y_1 - C_1 \quad \dots \dots (i)$$

$$I_1 = Y_1 - C_1 \quad \dots \dots (ii)$$

∴  $Y - C_1$  समीकरण (i) तथा (ii) में समान है इसलिए  $S_1 = I_1$  जहाँ  $S$  बचत है,  $I$  निवेश है  $Y$  आय है  $C$  उपभोग है और  $T$  चालू अवधि है

(2) रा त्रिविक्त से भी यह स्थापित करता है कि चालू अवधि में आय ( $Y$ ) बराबर है चालू उपभोग ( $C_1$ ) जमा चालू निवेश ( $I_1$ ) और चालू अवधि में बचत ( $S_1$ ) जमा चालू उपभोग  $C_1$ ।

$$\text{इस प्रकार } Y_1 = C_1 + I_1 \quad \dots \dots (i)$$

$$Y_1 = S_1 + C_1 \quad \dots \dots (ii)$$

इसलिए (i) और (ii) से हमें प्राप्त होता है

$$C_1 + I_1 = S_1 + C_1$$

$$I_1 = S_1$$

इस प्रकार बचत और निवेश समान है वे दोनों आय और उपभोग का अन्तर है। वे ऐसे परिभाषित की गई हैं कि वे सदैव बराबर हैं।

